भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1179

जिसका उत्तर दिनांक 14.12.2022 को दिया जाना है

नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना

1179. श्रीमती पूनम महाजन :
सुश्री देबाश्री चौधरी :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का देश में 21 नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इन नई परियोजनाओं के पूरा होने के वर्तमान चरण का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या परमाणु ऊर्जा के माध्यम से उत्पन्न ऊर्जा का उपयोग घरेलू और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए बिजली की आपूर्ति के लिए किया जा सकता है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या परमाणु ऊर्जा के माध्यम से उत्पन्न ऊर्जा देश को कोयले और ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता कम करने में सक्षम बनाएगी; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हां।

(ख) तथा (ग) विवरण संलग्न है।

(घ) तथा (ङ) नाभिकीय विद्युत संयंत्रों द्वारा उत्पादित बिजली अन्य स्रोतों द्वारा उत्पादित बिजली से अलग नहीं है। इसे इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड से जोड़ दिया जाता है, जहां से इसे डिस्कॉम द्वारा उपभोक्ताओं (घरेलू और वाणिज्यिक) की विभिन्न श्रेणियों में वितरित किया जाता है।

(च) तथा (छ) नाभिकीय ऊर्जा देश को स्वच्छ आधार भार ऊर्जा उपलब्ध करा सकती है और दीर्घ काल में कोयले और ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता कम कर सकती है। नाभिकीय ऊर्जा स्वच्छ नवीकरणीय ऊर्जा के पूरक के रूप में भी काम करेगी।

*****

अनुलग्नक

राज्य	स्थल	परियोजना	क्षमता (मेगावाट)	अपेक्षित पूर्णता	भौतिक प्रगति (अक्टूबर-2022 को)/स्थिति
निर्माणाधीन परियोजनाएं					
गुजरात	काकरापार	केएपीपी - 3[$] तथा 4	2 X 700	2023	97.12%
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीपी - 7 तथा 8	2 X 700	2026	88.88%
तमिलनाडु	कुडनकुलम	केकेएनपीपी - 3 तथा 4	2 X 1000	2025	63.57%
		केकेएनपीपी - 5 तथा 6	2 X 1000	2027	12.89%
	कल्पाक्कम	पीएफबीआर	1 x 500	2024	97.64%
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी - 1 तथा 2	2 X 700	2029	*नाभिकीय भवन - 1 व 2 के लिए आधार स्तम्भ की ढलाई का कार्य पूरा किया गया और परीक्षण कार्य प्रगति पर है। अन्य भवनों और संरचनाओं का निर्माण कार्य प्रगति पर है।*
प्रशासनिक अनुमोदन एवं वित्तीय मंजूरी प्राप्त परियोजनाएं					
कर्नाटक	कैगा	कैगा - 5 तथा 6	2 X 700	*उत्तरोत्तर, 2031 तक*	*स्थल पर पूर्व-परियोजना गतिविधियों और लंबे समय तक निर्मित चक्र उपकरण के थोक प्रापण का कार्य प्रगति पर है। कैगा 5 व 6 में उत्खनन आरम्भ हो चुका है।*
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी - 3 तथा 4	2 X 700		
मध्य प्रदेश	चुटका	चुटका - 1 तथा 2	2 X 700		
राजस्थान	माही बांसवाड़ा	माही बांसवाड़ा-1 तथा 2	2 X 700		
		माही बांसवाड़ा-3 तथा 4	2 X 700		

$ केएपीपी-3 (700 मेगावाट) को जनवरी 10, 2021 में ग्रिड से जोड़ दिया गया है।

*****